अ0शा0 परिपत्र सं: 53/2013

देवराज नागर
आई0पी0एस0

पुलिस महानिदेशक
उत्तर प्रदेश
1, तिलक मार्ग, लखनऊ

दिनांक: सितम्बर 25, 2013

प्रिय महोदय,

जनदीय सेवाओं में तैनात पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा कारणों एवं फील्ड ड्यूटी की आवश्यकताओं के अनुरूप गनर, एस्कार्ट, पायलट आदि नियुक्त रहते हैं जो अधिकारियों के भ्रमण के दौरान साथ में चलते है । यह सहवर्ती पुलिस बल अधिकारियों के साथ केवल उनकी सुरक्षा के लिये ही नहीं बल्कि भ्रमण के दौरान संज्ञान में आने वाली आपराधिक व कानून-व्यवस्था सम्बन्धी विषम परिस्थितियों में तत्काल अनुक्रिया (Response) करने में सुगमता हेतु नियुक्त रहता है ।

2- प्राय: यह देखा गया है कि भ्रमण के दौरान सड़क मार्ग से गुजरते हुये यह सहवर्ती स्टाफ वाहन से बाहर झांकते हुये सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों व पैदल यात्रियों को हाथ से इशारा कर और लाठी-डण्डों का प्रयोग कर दूर रहने व चिल्लाकर डांटते हुये साइड देने के लिये निर्देशित करता रहता है । ठीक इसी प्रकार का नजारा तब भी देखने को मिलता है जब अधिकारी रेलवे स्टेशन, मार्केट आदि जगहों पर भीड़ में पैदल चलते हैं और सहवर्ती पुलिस कर्मी भीड़ के साथ धक्का-मुक्की करके उनको अलग करते हैं । यह भी देखने में आया हैं कि अधिकारियों के साथ चलने वाले एस्कार्ट/पाइलट वाहन अकारण हूटर का प्रयोग करते हैं । मेरे विचार से ये सब भद्दे प्रदर्शन की श्रेणी में आते हैं जिससे पुलिस अधिकारियों का जनता में मान-सम्मान बढ़ता नहीं है बल्कि इससे पुलिस विभाग की छवि धूमिल होती है । इस तरह का व्यवहार हमें ब्रिटिश साम्राज्य से विरासत में मिली मानसिकता का परिचायक है । अब हम स्वतंत्र देश हैं और यह प्रजातंत्र है । अब ऐसी बातें शोभा नहीं देती हैं और इससे पुलिस का दमनात्मक और नकारात्मक चेहरा ही सामने आता है ।

3- हम सबको इस बारे में अन्तर्मुख होकर विचार करना चाहिये कि लोकतांत्रित व्यवस्था में हमें जो सुविधायें एवं अधिकार दिये गये हैं वो केवल इसलिये दिये गये हैं कि जन-साधारण की हम अच्छी सेवा कर पायें । मैं समझता हूँ कि यदि हम सब इस बात को आत्मसात कर लें तो इस तरह का भद्दा प्रदर्शन करने से हमें भविष्य में संकोच होगा ।

4- पुलिस को जनता का सहयोग एवं सम्मान उसके अच्छे कार्यों से मिलता है । दायित्वों के निर्वहन में निष्पक्षता, घटनाओं से निपटने में त्वरित अनुक्रिया, जन-शिकायतों के निस्तारण में मानवीय संवेदनशीलता के साथ अविलम्ब कार्यवाही एवं उच्च कोटि के आचरण का परिचय देकर हम जनता के हृदय में अपने लिये स्थान बना सकते हैं ।

5- अत: मैं आप सभी से अपेक्षा करूंगा कि आप जहां स्वयं इस तरह के व्यवहार से अपने को विरत रखें वहीं अपने अधीनस्थों को संगोष्ठियों/सम्मेलनों के माध्यम से इस तरह का व्यवहार न करने हेतु प्रेरित करें ।

भवदीय,

(देवराज नागर) 25-9-13

समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक,
प्रभारी जनपद, उत्तर प्रदेश ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश ।
2- समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश ।